पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड

आउटकम बजट(Outcome Budget) 2013–14 की विषय सूची

अध्याय सं0	विषय	पृष्ठ सं0
(क)–1	विभाग के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी	2
1.1–	संगठनात्मक ढांचा	3
1.2–	विभाग द्वारा संचालित योजनायें/कार्यक्रमों की सूची तथा तद्विषयक लक्ष्य एवं नीतियां	4–9
1.3–	महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रमों का उल्लेख	10
2–	विभाग द्वारा प्रस्तावित (2013–14) की प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना	11–15
3–	विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल, निर्धारित आउटपुट/ आउटकम को प्राप्त करने हेतु उपाय अधिकारों का विकेन्द्रीकरण	16–22
4–	गत वर्ष की परफारमेन्स समीक्षा	23
4.1–	योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति का विवरण (2010–11)	24–28
5–	वित्तीय समीक्षा, योजनावार प्राविधान तथा व्यय	29–31
(ख)	कुमाऊ मण्डल विकास निगम नैनीताल (परिशिष्ट–अ)	32–38
(ग)	गढ़वाल मण्डल विकास निगम देहरादून (परिशिष्ट–ब)	39–43

अध्याय–1
विभागीय कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी

उत्तराखण्ड में पर्यटन की असीम सम्भावनाओं को देखते हुए पर्यटन को एक प्रमुख उद्योग एवं व्यवसाय के रूप में स्थापित करने हेतु प्रदेश में उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद की स्थापना की गई है जिससे इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर सुलभ कराने के साथ–साथ उत्तराखण्ड राज्य की आर्थिक उन्नयन की दिशा में पर्यटन अपना बहुमूल्य योगदान दे रहा है। पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के त्वरित एवं समेकित विकास हेतु निम्न विभागीय कार्यकलाप निर्धारित किये गये है जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नवत है :–

- संस्थागत व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण।
- अवस्थापना सुविधाओं का विकास।
- निजी क्षेत्र की सहभागिता में वृद्धि।
- पर्यटन हेतु विभिन्न श्रोतों से पूंजी निवेश में वृद्धि।
- मानव–संसाधन का विकास।
- तीर्थाटन विकास एवं धार्मिकता का समादर।
- सांस्कृतिक पर्यटन का विकास।
- बोर्ड बैठकों का आयोजन करना।
- नैसर्गिक व पारिस्थितिकीय (Eco-Tourism) पर्यटन का विकास।
- मनोरंजन पर्यटन का विकास।
- विश्रामपरक (Leisure) पर्यटन का विकास।
- संस्थागत पर्यटन (Corporate Tourism) का विकास
- साहसिक पर्यटन का विकास एवं इनर लाईन पर पुनर्विचार।
- पर्यटन आधारित शिल्प उद्योग (सोविनियर) का विकास।
- पर्यटन सम्बन्धी आधारभूत सुविधाओं को राज्य में विकसित एवं सुदृढ करना।
- पर्यटन की विभिन्न गतिविधियों का चिन्हिकरण, परियोजनाओं का विकास एवं उनको समयबद्ध रूप से लागू करने के सम्बन्ध में योजनाएं तैयार करना।
- उत्तराखण्ड में आने वाले पर्यटकों हेतु सुविधाओं का सृजन तथा सुधार करना एवं उत्तराखण्ड को वैश्विक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना।
- परिषद द्वारा पृथक–पृथक समितियों का गठन किया जाना जिसमें विषय–विशेषज्ञ जो कि उपलब्ध संसाधनों का आंकलन, विकास योजनाओं को तैयार करगें पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों हेतु गुणवत्ता, सुरक्षा एवं अन्य मानकों का निर्धारण करगें ऐसी समितियों के गठन हेतु परिषद द्वारा शर्ते नर्धारित किया जाना।
- उत्तराखण्ड के समस्त धार्मिक पर्यटक स्थलों जैसे श्री बद्रीनाथ जी, केदारनाथ जी के उच्चस्तरीय संचालन हेतु परिषद मार्ग निर्देश गठित करना तथा नीति विषयक मामलों का क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करना।
- राज्य सरकार द्वारा निर्धारित कोई भी अन्य पर्यटन गतिविधि को संचालित करना।

1.1– संगठनात्मक ढांचा (अध्याय 1 के अन्तर्गत)

	पद्नाम	स्वीकृत पद
	प्रमुख सचिव/सचिव पर्यटन पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी	1
	अ–मुख्यालय	
	अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी	1
	समूह–क	11
	समूह–ख	3
	समूह–ग	55
	समूह–घ	25
	ब–जनपद स्तरीय	
	समूह–क	8
	समूह–ख	25
	समूह–ग	123
	समूह–घ	39
	समूह–ख (संविदा पर)	47
	स–विकास खण्ड स्तरीय	
	(पर्यटन विभाग में विकास खण्ड स्तर पर शासन द्वारा कार्यालय स्थापित नहीं है। प्रमुख पर्यटन स्थल जैसे मसूरी, ऋषिकेश, जोशीमठ, कौसानी, रानीखेत, कोटद्वार, आदि पर कार्यालय स्थापित हैं। जिनके लिये स्वीकृत पदों का विवरण निम्नवत् है)	
	समूह–ग	18
	समूह–घ	9
	प्रदेश के बाहर(नईदिल्ली)	
	समूह–ख	1
	समूह–ग	2
	समूह–घ	1
	कुलयोग	**369**

नोटः– **उक्त सूचना में राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान देहरादून/अल्मोडा के पद भी सम्मिलित है।**

1. 2–विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों की सूची लक्ष्य एवं नीतियां

1– पर्यटकों/यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये एंव जो यात्री पैदल यात्रा नहीं कर सकते उनको सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **''जानकीचट्टी–यमुनोत्री तथा ठुलीगाड–पूर्णागिरी रोपवें परियोजनायें''** पी0पी0पी0 मोड पर क्रियान्वित करवायी जा रही है। जानकीचट्टी–यमुनोत्री रोप–वें परियोजना पर रू0 70.00 करोड़ तथा ठुलीगाड–पूर्णागिरी रोपवें परियोजना पर रू0 35.00 करोड़ का व्यय निवेशकों द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। जानकीचट्टी–यमुनोत्री रोप–वें परियोजना से विभाग को प्रतिवर्ष 3 से 5 करोड़ तथा ठुलीगाड–पूर्णागिरी रोप–वें परियोजना से 2 से 3 करोड़ की आय प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त **''कद्दूखाल–सुरकण्डा देवी रोप–वे परियोजना''** के लिये भी निजी निवेशक का चयन कर लिया गया है।

2– उपरोक्त रोपवें परियोजनाओं के अतिरिक्त निम्नलिखित रोपवें परियोजनाओं को भी पी0पी0पी0 मोड़ पर विकसित किये जाने का प्रस्ताव हैः–

- ❖ मसूरी –देहरादून रोप–वे (पुरूकुल से मसूरी)
- ❖ बार्सू–मैठाणा–बरनाला–दयारा रोपवे
- ❖ रामबाड़ा –केदारनाथ रूद्रप्रयाग
- ❖ ऋषिकेश नीलकण्ठ
- ❖ मसूरी–कैम्पटीफाल रोप–वे देहरादून
- ❖ श्रीनगर – पौड़ी रोप–वे पौड़ी
- ❖ रानीखेत–चौबटिया रोप–वे अल्मोड़ा
- ❖ मुन्स्यारी–खलियाटाप1
- ❖ मुनीकीरेती–कुॅजापुरी रोपवे टिहरी
- ❖ आली बुग्याल रोप–वे चमोली
- ❖ स्नो भ्यू से चीना पीक नैनीताल
- ❖ मॉ बूगी देवी से हल्दूखाल तक रोप–वे का निर्माण पौडी
- ❖ स्नोब्यू–से चिडियाघर नैनीताल
- ❖ कसारदेवी–अल्मोडा रोप–वे अल्मोड़ा

3– उत्तराखण्ड के विभिन्न अल्पज्ञात पर्यटक स्थलों पर पर्यटक स्थलों, यात्रा मार्गो पर विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु **पर्यटन मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2012–13 में** विभिन्न सर्किटों, डेस्टिनेशनों, मेगा सर्किट, होटल प्रबन्धन संस्थान, पर्यटन ग्रामों, Large Revenue Gererating योजना के अन्तर्गत मसूरी से हाथीपॉव तक रज्जुमार्ग की परियोजना तथा मेले एंव त्योहारों के आयोजन हेतु कुल रू0 160 करोड़ के प्रस्तावों पर सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त हुयी है, जिसके अन्तर्गत 16 परियोजनायें विकसित की जायेगी। वित्तीय वर्ष 2012–13 में टिहरी में वाटर स्पोर्ट्स संस्थान हेतु रू0 500.00 लाख तथा बैजनाथ–बागेश्वर–लोहारखेत पर्यटन सर्किट के अन्तर्गत रू0 800.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति भारत सरकार द्वारा निर्गत की गयी है।

4— **13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत** पर्यटन विकास कार्यो हेतु रू0 14.77 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुयी है। तथा रू0 30.27 करोड़ के प्रस्ताव भारत सरकार को प्रेषित किये गये है। इस योजना के अन्तर्गत यात्रा मार्गो एंव पर्यटक स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के अन्तर्गत पार्किग स्थलो का विकास, प्रसाधन सुविधाओं का निर्माण आदि योजनायें प्रस्तावित की गयी है।

5— पार्किग स्थलों के विकास के अन्तर्गत सोनप्रयाग, गौरीकुण्ड दो स्थानों पर, कैम्प्टीफाल, लंका एंव भैराघाटी में 03 स्थलों पर मसूरी किंकैग, चम्बा, सहस्त्रधारा जानकीचट्टी एंव नीलकण्ठ में वाहन पार्किग का प्रस्ताव किया जा रहा है ।

6— पर्यटकों/यात्रियों को जन सुविधायें सुलभ कराने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड के विभिन्न पर्यटक स्थलों एवं यात्रा मार्गों के प्रत्येक 20 से 25 कि0मी0 की दूरी पर सुलभ शौचालय बनाये जाने का निर्णय लिया गया है जिसके लिये एक मास्टर प्लान तैयार करवाया गया है।

7— इसके अतिरिक्त जानकीचट्टी—यमुनोत्री पैदल मार्ग, गौरीकुण्ड—केदारनाथ तथा गोविन्दघाट—हेमकुण्ड साहिब पैदल मार्गो पर प्रत्येक 01 कि0मी0 के अन्तराल पर विभिन्न 50 स्थलों पर बायोडायजेस्टर शौचालयों का निर्माण करवाया जा रहा है।

8— **ए0डी0बी0 (एशियन डेवलपमेंट बैंक)** द्वारा उत्तराखण्ड प्रदेश में प्रथम बार पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधारभूत पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु रू0 350.00 करोड़ की सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गयी हैं, जिसके अन्तर्गत आसन बैराज, यमुना सर्किट के अन्तर्गत टाईगर फॉल, देवबन, हनोल, महासू मन्दिर एंव लाखामण्डल, वाटर स्पोट्स के अन्तर्गत हरिद्वार में पुरानी गंग नगर में जलक्रीड़ाओं में सुविधायें, जगजीतपुरा नहर का सौन्दर्यीकरण, नौकुचियाताल में पर्यटक आवास गृह का निर्माण एंव अन्य पर्यटक सुविधायें, पिथौरागढ़ फोर्ट का संरक्षण, मोस्टमानु मन्दिर पिथौरागढ़ का पिकनिक स्पॉट, चण्डाक ट्रैक एंव व्यू प्वाईन्टस का विकास, कोटद्वार से प्रवेश सुविधाओं का विकास, डाकपत्थर पिरान कलियर रूद्रपुर, भीमताल, पिथौरागढ़, कोटद्वार, टिहरी अल्मोड़ा, रायपुर में एडवेन्चर टूरिष्ट सेन्टर्स का विकास एंव निर्माण की परियोजनाओं को सम्मिलित किया गया है। उक्त परियोजना के सफल संचालन हेतु उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् के स्तर से पी0एम0यू0 का गठन कर दिया गया है, इसके अतिरिक्त उक्त योजना के सफल संचालन/क्रियान्वयन हेतु 03 प्रोजेक्ट इम्प्लिमेंटेशन यूनिट (पी0आई0यू0) के गठन की कार्यावाही भी गतिमान है जो निकट भविष्य में भीमताल, कोटद्वार एवं देहरादून में स्थापित होनी है। बाह्य सहायतित योजना के अन्तर्गत एशियन डेपलपमेन्ट बैंक के माध्यम से दिनांक 2 अप्रैल, 2012 को Department of Economic Affairs Government of India के साथ Loan Signing Agreement किया जा चुका है।

9— आम जनता एंव पर्यटको/यात्रियों को पर्यटन के सम्बन्ध में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से दि0 27 सितम्बर, 2012 (विश्व पर्यटन दिवस) के अवसर पर **पर्यटन विभाग की बेवसाइट** www.uttarakhandtourism.gov.in.लॉच की गई है।

10— **पर्यटन ग्राम योजना के अन्तर्गत** 04 पर्यटन ग्रामों मोटाड़, अगोड़ा,(उत्तरकाशी) कोटी, इन्द्रौली एंव पत्यूड (देहरादून) एंव सारी—देवरियाताल (रूदप्रयाग) में हार्डवेयर प्रोजेक्टों का निर्माण कार्य पूर्ण करवाया गया है।

11— विभिन्न **पर्यटक स्थलों के विकास** के अन्तर्गत 200 पर्यटक स्थलों पर निर्माण कार्य पूर्ण है।

12— विभिन्न **पर्यटक स्थलों 43 सीट के सुलभ शौचालयों का निर्माण** कार्य पूर्ण करवाया गया है।

13— **टिहरी झील को एक नये पर्यटन गन्तव्य के रूप में विकसित किये जाने** का प्रस्ताव है। इसके अन्तर्गत साहसिक पर्यटन की सम्भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुये

टिहरी झील का पर्यटन के क्षेत्र में समग्र विकास तथा राजीव गॉधी साहसिक खेल अकादमी का शिलान्यास किया गया है। इस अकादमी के माध्यम से विभिन्न साहसिक गतिविधियों का संचालित करवाया जायेगा। इसके अन्तर्गत 5–5 करोड़ की दो परियोजनायें स्वीकृत की जा चुकी है तथा रू0 50.00 करोड़ की डी0पी0आर0 भारत सरकार को प्रेषित की जा चुकी है।

14– **श्री नन्दा राजजात–2013** के सफल आयोजन हेतु ''नौटी–कंश्वा– चांदपुरगढ़ी–सेमीहेरीटेज एंव ईको टूरिज्म सर्किट'' एंव '' कुरूड़–नन्द केशरी–वाण/ वन–बेदनी झील हैरीटेज एंव ईको टूरिज्म सर्किट'' तथा उत्तराखण्ड में जन सुविधाओं के विकास परियोजनाओं की रू0 8–8 करोड़ की तीन परियोजनायें कुल (रू0 24.00 करोड़) की डी0पी0आर0 पर्यटन मन्त्रालय भारत सरकार को प्रेषित की गयी है जिन पर शीघ्र ही स्वीकृति की सम्भावना है।

उक्त के अतिरिक्त राज्य आकस्मिकता निधि से राज्य शासन स्तर से रू0 12.00 करोड़ की स्वीकृति निर्गत की गयी है जिसके अन्तर्गत मूलभूत अवस्थापना सुविधायें विकसित की जायेगी।

15– विभिन्न पर्यटक स्थलों के सुनियोजित एवं त्वरित समेकित विकास हेतु विभिन्न विधाओं तथा संस्थागत व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण, अवस्थापना सुविधाओं का विकास, निजी क्षेत्र की सहभागिता में वृद्धि के उद्देश्य से **टूरिज्म एरिया विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण** के गठन का निर्णय लिया गया है।

16–साहसिक पर्यटनः–

उत्तराखण्ड की समस्त नदियों में रिवर राफ्टिंग गतिविधियों के संचालन हेतु 136 फर्मों को 332 राफ्टों के संचालन हेतु रिवर राफ्टिंग परमिट प्रदान किये गये हैं। इससे निजी उद्यमियों को प्रोत्साहन, बेरोजगार युवकों को रोजगार तथा पर्यटकों को जलक्रीडा से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। इस योजना से वित्तीय वर्ष 2012–13 में रू0 8.30 लाख मात्र की धनराशि पर्यटन परिषद को प्राप्त हुई है।

प्रदेश में साहसिक पर्यटन के अन्तर्गत जिला साहसिक खेल अधिकारियों के माध्यम से साहसिक खेल की गतिविधियों यथा रॉक क्लाईम्बिंग, आपदा एवं बचाव राहत, पर्वतारोहण, पैरा सेलिंग/पैरा ग्लाईडिंग, रिवर राफ्टिंग, स्कीइंग प्रशिक्षण के अन्तर्गत स्थानीय युवक/युवतियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में वर्ष 2012–13 में कुल 1689 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उक्त के अतिरिक्त साहसिक पर्यटन के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम भी आयोजित किये गयेः–

(क)– दिनांक 21 व 22 अप्रैल, 2012 को मसूरी में साहसिक पर्यटन एवं ग्रामीण पर्यटन पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

(ख)– 27 सितम्बर,2012 को विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया गया।

(ग)– उत्तराखण्ड में साहसिक खेलों के प्रोत्साहन हेतु दिनांक 07 नवम्बर, 2012 को टिहरी में राजीव गांधी साहसिक खेल अकादमी का शिलान्यास मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

(घ)– औली में राष्ट्रीय स्कीइंग प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26 से 28 फरवरी, 2013 तक किया गया।

17 (क) अर्न्तराष्ट्रीय योग महोत्सवः–

विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 01 मार्च से 07 मार्च तक अर्न्तराष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन ऋषिकेश में किया जाता है। इस वर्ष में भी अर्न्तराष्ट्रीय योग महोत्सव–2013 का आयोजन उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा ऋषिकेश–हरिद्वार में किया गया। प्रमुख आयोजन गंगा रिजोर्ट, शीशमझाडी, मुनिकीरेती में किया गया तथा इसके अन्तर्गत ऋषिकेश एवं हरिद्वार की 15 संस्थाओं द्वारा प्रतिभाग करते हुये अपने–अपने संस्थानों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस आयोजन में आने वाले देशी–विदेशी प्रतिभागियों को उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रदेश के सांस्कृतिक दलों द्वारा अपनी सांस्कृतिक विधाओं का प्रदर्शन किया गया जिससे कि इनको अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हो सके। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा उक्त योग महोत्सव का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया।

(ख) योग युवा शिविर मावरा अल्मोडाः–

दिनांक 27 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2012 तक मावरा अल्मोडा में योग युवा शिविर को विभाग द्वारा मावरा ग्राम विकास संस्था के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

(ग)–शरदोत्सव, नैनीताल–

दिनांक 31 अक्टूबर से 04 नवम्बर, 2012 तक नैनीताल में जिला प्रशासन एंव उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के संयुक्त तत्वाधान में शरदोत्सव नैनीताल का आयोजन किया गया जिसमे स्थानीय कलाकारों के साथ–साथ देश के विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने अपनी–अपनी विद्याओं सम्बन्धी कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके साथ–साथ विभिन्न प्रकार की क्रीडा प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

18–वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजनाः–

उत्तराखण्ड वासियों को पर्यटन क्षेत्र मे स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा पर्यटन विकास में स्थानीय सहभागिता प्राप्त करने के उद्देश्य से वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना 01 जून, 2002 को प्रारम्भ की गयी। इस योजना के अन्तर्गत पर्यटन सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों यथा बस/टैक्सी परिवहन सुविधाओं का विकास, फास्ट फूड सेन्टर्स की स्थापना, मोटर वर्कशॉप/गैराजों की स्थापना, आवासीय सुविधाओं की स्थापना, टैन्टेज आवासीय सुविधाओं की स्थापना, स्थानीय प्रतीकात्मक वस्तुओं के विक्रय केन्द्र, पी0सी0ओ0 सुविधायुक्त पर्यटन सूचना केन्द्र/रेस्टोरेन्ट का निर्माण, साहसिक पर्यटन क्रियाकलापों हेतु उपकरण की व्यवस्था एवं साधना कुटीर एवं योग ध्यान केन्द्रों के विकास के लिए किये गये पूंजी निवेश पर राज सहायता उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है।

इस योजना में वित्तीय वर्ष 2012–13 में संशोधन जारी कर अनुदान धनराशि को पर्वतीय क्षेत्रों में गैर वाहन मदों हेतु 33 प्रतिशत् अधिकतम रू0 15.00 लाख तथा मैदानी क्षेत्रों के लिए वाहन एवं गैर वाहन तथा पर्वतीय क्षेत्र के लिए वाहन मद में अनुदान धनराशि पूर्ववत् पूंजी संकर्म का 25 प्रतिशत् अधिकतम रू0 10.00 लाख ही रहेगी।

इस योजना में वित्तीय वर्ष 2012–13 (फरवरी–13) में सम्पूर्ण उत्तराखण्ड के कुल 276 उद्यमियों को लाभान्वित किया गया है। योजनारम्भ से फरवरी, 2013 तक इस योजना का लाभ 4161 आवेदकों द्वारा प्राप्त किया जा चुका है।

19–पर्यटन प्रचार–प्रसारः–

वर्ष 2012–13 में उत्तराखण्ड पर्यटन द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एंव अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों/मीट में भाग लिया गया, जिससे उत्तराखण्ड का वृहत रूप से पर्यटन प्रचार–प्रसार हुआ। वर्ष 2012–13 में आयोजित सेमिनारों/मार्ट जिसमें, उत्तराखण्ड पर्यटन द्वारा प्रतिभाग किया गया की सूची निम्नवत् हैः–

राष्ट्रीय

Sl. No.	***Name of the Exhibition***	***Month/Date***	***Country/City***
	NATIONAL		
1	*The Great Indian Travel Bazar*	*15-17 April, 12*	*Jaipur*
2	*Travel and Tourism Fair (TTF)*	*13-15 July, 2012*	*Kolkata*
3	*Travel & Tourism Fair(TTF)*	*24-26 August, 2012*	*Ahmedabad*
4	*Indian Association of Tour Operators (IATO) Annual Conv.*	*30 August, 12 to 2 Sept. 2012*	*Mumbai*
5	*Tourism Fair Discover India (The Hindu)*	*6-7 Oct, 2012*	*Chennai*
6	*Travel and Tourism Bazar (TTB)*	*9-11 Nov. 2012*	*Kolkata*
7	*IITF*	*14-27 Nov.*	*New Delhi*
8	*IITM*	*31Jan- 2Feb 2013*	*Kocchi*
9	*ITM*	*2-4 Feb 2013*	*Chandigarh*
10	*Travel and Tourism Fair*	*8-10 Feb2013*	*Mumbai*
11	*ITEO*	*2-10 Feb 2013*	*Dehradun*
12	*International Agriculture, Food and Horti Expo*	*22-24 Feb 2013*	*Dehradun*
	INTERNATIONAL		
1	*Road Show*	*19 June 2012*	*Manchester*
2	*Road Show*	*20 June 2012*	*Birmingham*
3	*Road Show*	*21 June 2012*	*London*
4	*Road Show*	*25 June 2012*	*Tel Aviv, Isreal*
5	*Road Show*	*27June 2012*	*Amman, Zordan*
6	*Road Show*	*28 une 2012*	*Dubai UAE*
7	*WTM*	*5-8 Nov 2012*	*London*
8	*Road Show*	*18 Feb2013*	*Tokyo*
9	*Road Show*	*20 Feb 2013*	*Oshaka*
10	*Road Show*	*22 Feb 2013*	*Seoul*
11	*ITB, Berlin*	*6-10 March 2013*	*Germany*

20–प्रचार–प्रसार एवं पर्यटन विपणन–

विभाग द्वारा चारधाम यात्रा शुभारम्भ के साथ ही समय–समय पर विभिन्न समाचार पत्र– पत्रिकाओं एवं स्मारिकाओं में विज्ञापन प्रकाशित किये गये हैं । इसके अतिरिक्त अन्तराष्ट्रीय योग महोत्सव के अवसर पर दैनिक जगारण, अमर उजाला, दैनिक हिन्दुस्तान, राष्ट्रीय सहारा, हिन्दुस्तान टाइम्स, द ट्रिब्यून एवं द हिन्दु समाचार पत्रों में योग आधारित विज्ञापन प्रकाशित करवा कर व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया ।

विभाग द्वारा एन0आई0सी0 के माध्यम से विभागीय वेबसाइट www.uttarakhandtourism.gov.in तैयार करवाई गई, जिसमें विभाग सहित दोनों मण्डलीय निगमों की सूचनाओं को भी अपडेट कर शामिल किया गया । वेबसाइट का शुभारम्भ 27 सितम्बर, 2012 को मा0 पर्यटन मंत्री जी द्वारा किया गया । विभाग द्वारा विभिन्न फर्मो को एडवरटाईजिंग एवं क्रियेशन्स विधाओं के अन्तर्गत तीन वर्ष के लिये इम्पैनल्ड किया गया है ।

उत्तराखण्ड को देश–विदेश में पहचान दिलाने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के ट्रैवल शोज, भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के साथ मैन्चेस्टर, बर्मिघम, लंदन, तेलअवीव(इजराइल) अमान(जार्डन), दुबई (यू0ए0ई0), टोकियो, ओसाका, सिओल (कोरिया) ,डब्लू0बी0एम0 लंदन एवं आई0टी0बी0 बर्लिन के साथ ही राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न ट्रैवल एवं टूरिज्म फेयर यथा ग्रेट इण्डिया ट्रैवल बाजार जयपुर, ट्रैवल एण्ड टूरिज्म फेयर(टी0टी0एफ0) कोलकाता, अहमदाबाद, मुंबई , भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली, इण्डिया ट्रैवल मार्ट(आई0टी0एम0) चण्डीगढ़,, इण्डिया इन्टरनेशनल ट्रैवल मार्ट (आई0आई0टी0एम) कोच्चि, ट्रैवल एण्ड टूरिज्म बाजार कोलकाता, साटे नई दिल्ली, इण्डियन एसोसियेशन टूर ऑपरेटर मीट, मुंबई में दोनों मण्डलीय निगमों, पर्यटन क्षेत्र की निजी संस्थाओं व जी0आई0जेड के साथ प्रतिभाग कर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी कार्य सम्पादित किया गया । विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर परेड ग्राउण्ड में आयोजित आई0टी0ई0ओ0 तथा इन्टरनेशनल एग्रीकल्चर फूड एक्सपों में भी प्रतिभाग किया गया ।

1.3– महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रमों का अलग से उल्लेख

पर्यटन विभाग में किसी योजना विशेष में महिलाओं के लिये स्पष्ट आरक्षण की व्यवस्था विद्यमान नहीं है। केवल वीर चन्द्र सिंह गढवाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार महिलाओं को जिन्होंने विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से पर्यटन का एक विषय के रूप में अध्ययन किया हो या पर्यटन के किसी भी विषय में डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त की हो, को प्राथमिकता दिये जाने का प्राविधान तत्सम्बन्धी नियमावली में विद्यमान है। इसके अलावा पर्यटन विभाग में भी राज्य सरकार के विद्यमान आदेशों के अनुसार नियुक्तियों में महिलाओं के लिये 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण (हॉरीजोन्टल रिजर्वेशन) की व्यवस्था के अन्तर्गत महिलाओं को लाभ दिया जाता रहता है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2012–13 में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें महिलाओं की भागीदरी निम्नवत रही है।

1. श्री वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली स्वरोजगार योजना के अन्तगर्त संचालित विभिन्न योजनओं में महिला कर्मियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है।
2. राजकीय होटल मैनेजमेंट, अल्मोड़ा/देहरादून में पास आउट महिलाओं की संख्या निम्नवत रही है।

- GIHM – Dehradun - महिला प्रशिक्षणार्थियों की संख्या वर्ष 2011 में 05 और 2012 में 08
- GIHM – Almora - महिला प्रशिक्षणार्थियों की संख्या वर्ष 2011 में 04 और 2012 में 05
- IHM – Dehradun - महिला प्रशिक्षणार्थियों की संख्या वर्ष 2011 में 14 और 2012 में 16

3. जनपदों में साहसिक पर्यटन की गतिविधियों में प्रदान किये गये प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलायों की भी अग्रणीय भूमिका रही है।
4. अन्य आयोजित कार्यक्रमों जैसेः– योग सप्ताह/स्कीइंग प्रतियोगिता /विभिन्न आयोजित प्रतियोगिताओं में भी महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया जाता है।

अध्याय–2

विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2013–14) की प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना

(धनराशि हजार में)

क्र0सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		प्राविधानित आय–व्ययक		समय सीमा	परिकल्पित आउटपुट		समय सीमा
			नॉन प्लान	प्लान	नॉन प्लान	प्लान		नॉन प्लान	प्लान	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	राजस्व									
1	उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद को अनुदान/अंशदान /राज सहायता	उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के कार्यालयों के संचालन हेतु कार्यालयों की समस्त व्यवस्थाओं यथा यात्रा व्यय, कार्यालय व्यय, विद्युत पेयजल आदि समस्त मानक मदों का व्ययभार वहन करने हेतु एवं प्रचार–प्रसार, कन्सलटैंसी परिषद गठन, यात्रा व्यवस्था तथा साहसिक कियाकलाप आदि आयोजनागत योजनाओं हेतु।	–	306000	16000	220000	12 माह	परिषद के पर्यटन कार्यालयों की व्यवस्था हेतु समस्त मानक मदों हेतु	पर्यटन प्रचार–प्रसार, साहसिक क्रियाकलाप, यात्रा व्यवस्था, पर्यटन परिषद का गठन तथा कन्सलटैन्सी की मदों में होने वाले समस्त राजस्व की आयोजनागत योजनाओं का व्ययभार वहन करने हेतु। वर्ष 2012–13 में इस मद के अन्तर्गत नन्दा राजजात 2013 के आयोजन हेतु रू0 12.00 करोड़ धनराशि का आहरण राज्य आकस्मिकता निधि से किया गया है, जिसकी प्रतिपूर्ति वर्ष 2013–14 के बजट से किया जाना है।	12 माह

2	उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद में नियुक्ति अधिकारियों/ कर्मचारियों के वेतन भुगतान हेतु सहायक अनुदान	परिषद के कर्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु	–		14000	–	12 माह	पर्यटन परिषद में नियुक्त कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु	–	12 माह
3	यात्रा प्रशासन संगठन (अधिष्ठान)	यात्रा प्रशासन संगठन कार्यालय ऋषिकेश के अधिष्ठाान सम्बन्धी व्यय हेतु			880	–	12 माह	यात्रा प्रशासन संगठन कार्यालय के अधिष्ठान व्यय	–	12 माह
4	शासकीय कर्मचारियों का अधिष्ठान (अधिष्ठान)	पर्यटन परिषद मुख्यालय में तैनात राज्य कर्मचारियों के वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु			10550	–	12 माह	मुख्यालय के राज्य कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने हेतु	–	12 माह
5	जिला स्तरीय कार्यालयों में तैनात कार्मिकों का अधिष्ठान	पर्यटन परिषद में कार्यरत राज्य कर्मचारी जो जिला एवं प्रमुख पर्यटक स्थलों के कार्यालयों में तैनात है को उनके वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु			30180	–	12 माह	जिला स्तर एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थित पर्यटन कार्यालयों में नियुक्त राज्य कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने हेतु	–	12 माह
6	13वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत पर्यटन का विकास	केन्द्र वित्त पोषित तथा केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड में पर्यटन विकास हेतु भारत सरकार की आर्थिक सहायता से योजनाओं को क्रियान्वयन करने के लिये		**500000**	–	**250000**	12 माह	–	13वें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत योजनाओं के लिये आय–व्ययक की व्यवस्था करके योजनायें संचालित करने का प्रस्ताव है	12 माह
7	ऋण उपादान/ स्वरोजगार योजना हेतु अनुदान	वीर चन्द्र सिंह गढवाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत पर्यटन के क्षेत्र		150000	–	130000	12 माह	–	वित्तीय वर्ष 2013–14 हेतु इस मद में निर्धारित की गयी	12 माह

		में कार्यरत निजी उद्यमियों को अनुदान का भुगतान करने हेतु							विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं हेतु पर्यटन के क्षेत्र में कार्यरत निधि उद्यमियों को अधिक से अधिक संख्या में अनुदान प्रदान किया जाना प्रस्तावित है।	
8	राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान अधिष्ठान ।	राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान, अल्मोड़ा एवं देहरादून में नियुक्त कार्मिकों के वेतन भत्तों तथा अन्य अधिष्ठान व्यय हेतु			27006	—	12 माह	इस मद के अन्तगर्त संस्थान में कार्यरत कार्मिको के वेतन भुगतान एवं संस्थान में अध्यनरत छात्र/ छात्राओं के प्रयोगत्मक कक्षाओं का व्यय वहन करनें हेतु ।		12 माह
9	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें	यात्रा व्यवस्था हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण		50000	—	20000	12 माह	—	केन्द्र वित्त पोषित योजना के अर्न्तगत केन्द्र पोषित योजनाओं के राज्यांश/केन्द्रांश को वहन करने हेतु।	12 माह
10	——तदैव——	अल्मोड़ा में फूड क्राफ्ट इंस्टीटयूट की स्थापना			-	1		—	केन्द्र वित्त पोषित योजना के अर्न्तगत अल्मोड़ा में फूड क्राफ्ट इंस्टीटयूट की स्थापना की जानी है।	12 माह
11	——तदैव——	आई0एच0एम0, गढ़ी कैन्ट में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण ।		1442	-	1442	12 माह	—	आई0एच0एम0, गढ़ी कैन्ट में गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण हेतु।	12 माह

12	राज्य सैक्टर की योजना	आवासीय/अनावासीय, भवनों का निर्माण, भूमि अध्याप्ति, विभागीय भवनों की मरम्मत, निर्माण कार्य चालू, पर्यटन विकास की नई योजनाऐं, यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं का विकास/निर्माण तथा ट्रैकिंग मार्गों के सुधार हेतु		255000	—	62501	12 माह	—	राज्य सैक्टर की पर्यटन विकास से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु	इस मद के अन्तर्गत कुछ योजनाऐं एक वर्ष से भी अधिक समय तक जा सकती है।
13	तदैव	मसूरी में कोर्ट मैकेन्जी रोड पर पार्किंग का निर्माण			—	120000	12 माह	—		
14	जिला योजना	पर्यटक स्थलों का विकास एवं सौन्दर्यीकरण तथा सुविधायें तथा पर्यटन विकास के अन्तर्गत साहसिक पर्यटन को बढ़ावा	—	220000	—	62000	12 माह	—	जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटन विकास की विभिन्न योजनाओं हेतु	12 माह
15	बाहय साहयतित परियोजना	पर्यटन विकास हेतु ए0डी0बी0 की सहायता से कार्बेट टाईगर ट्रैक, शहरी बुनियादी ढांचा और सेवा में सुधार, बेहतर कनैक्टिविटि स्थानीय समुदाय द्वार अधिकाधिक सहायता तथा परियोजना प्रबन्धन क्षमता का विकास, हिमालयन लैण्ड स्केप रूट, हिमालयन एडवेंचर गेटवें, यमुनावैली हैरिटेज रूट तथा टौन्स रीवर एडंवेचर ट्रैक की योजनाओं के संचालन हेतु	—	500000	—	500000	12 माह	—	ए0डी0बी0 की सहायता से पर्यटन के क्षेत्र में चिन्हित कियें गये पर्यटन स्थलों का शौन्दर्यीकरण एवं विकास करनें हेतु ।	12 माह
16	एस0सी0एस0पी0 (राज्य सैक्टर)	अनुसूचित जातियों के कल्याण हेतु अनुसूचित जाति बाहुल क्षेत्र में पर्यटन विकास की नई योजनाओं का निर्माण तथा विकास।	—	50000				—	—	12 माह

17	एस0सी0एस0पी0 (जिला योजना)	अनुसूचित जातियों के कल्याण हेतु अनुसूचित जाति बाहुल क्षेत्र में जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटन विकास करने हेतु	—	30000	—	8000	12 माह	—	अनुसूचित जातियों के कल्याण हेतु अनुसूचित जाति बाहुल क्षेत्र में जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटन विकास करने हेतु	12 माह
18	टी0एस0पी0 (राज्य सैक्टर)	अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के लिये पर्यटन विकास की नई योजनाओं के विकास/निर्माण हेतु	—	30000	—	—	—	—	—	12 माह
19	टी0एस0पी0 (जिला योजना)	अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के लिये स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अन्तर्गत पर्यटन विकास करने हेतु	—	5000	—	1000	12 माह	—	अनुसूचित जाति/जनजाति क्षेत्र के लिये स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अन्तर्गत पर्यटन विकास करने हेतु	12 माह

अध्याय–3

विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल

उत्तराखण्ड में पर्यटन के नियोजित, त्वरित एंव समेकित विकास हेतु विभिन्न विधाओं के अनुसार निम्न बिन्दुओं पर बल दिया गया हैं।

1– संस्थागत व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरणः–

उत्तराखण्ड में पर्यटन को गति प्रदान करने हेतु उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का गठन किया गया है। उक्त परिषद् पर्यटन से सम्बन्धित सभी विषयों पर शासन को सुझाव देने हेतु सर्वोच्च संस्था है। पर्यटन विकास के अतिरिक्त परिषद् रेगुलेटरी तथा लाईसेन्सिंग अथॉरिटी के रूप में भी कार्य करेगी। पर्यटन के क्षेत्र में विभिन्न कार्यों हेतु कन्सल्टैन्सी सेवायें प्राप्त की जा रही है।

2–अवस्थापना सुविधाओं का पर्यटन के क्षेत्र में विकासः–

उत्तराखण्ड में पर्यटन विकास के संदर्भ में रेल–वायुयान सुविधा, आवश्यक मार्गीय सुविधायुक्त सड़क परिवहन, आवासीय इकाईयों का सृजन, आधुनिक दूर संचार सुविधा, जल एंव स्वच्छता व्यवस्था तथा अवस्थापना सुविधाओं हेतु भूमि/भवन आदि की व्यवस्था सम्बन्धी मूलभूत सुविधाओं की स्थापना, उच्चीकरण एंव सुदृढ़ीकरण की निम्नांकित कार्यवाही की गयी है।

(क) देहरादून से दिल्ली के बीच प्रतिदिन जनशताब्दी एक्सप्रेस रेलगाड़ी चलाई जा रही हैं। देहरादून से गुजरात तक के लिए सप्ताह में एक दिन विशेष एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जा रही है। देहरादून से इन्दौर के लिये भी सीधी रेल सेवा सुलभ हो गयी हैं। इसके अतिरिक्त देहरादून से चेन्नई तथा हरिद्वार से जम्मू तक सीधी रेल यातायात सुविधा यात्रियों को सुलभ हो चुकी है।

(ख) पर्यटन विभाग एंव गढवाल मण्डल विकास निगम के संयुक्त प्रयासों से निजी विमानन कम्पनी प्रभातम् एवं पवनहंस की ओर से क्रमशः फाटा व अगस्तमुनि से केदारनाथ तक की हवाई परिवहन सुविधा यात्राकाल में सुलभ कराई जा रही है।

(ग) सड़क परिवहन सेवा के अन्तर्गत उत्तराखण्ड से अन्तरराज्य विभिन्न स्थानों के लिये आरामदायक वातानुकूलित वाल्बो बसें, शयनयान, डीलक्स, सेमी डीलक्स बसें संचालित की जा रही है।

(घ) उक्त के अतिरिक्त वर्ष 2012–13 में केन्द्रीय वित्त पोषित योजनान्तर्गत निम्नलिखित प्रस्ताव भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा सैद्वान्तिक सहमति प्रदान की गयी हैः–

(1)	**टूरिस्ट डेस्टिनेशन :–**
1	मनेरी, उत्तरकाशी में जलक्रीडा तथा इको–टूरिज्म का विकास।
2.	रामनगर, नैनीताल में कन्वेन्सन सेंटर का विकास।
3	घनसाली में फलोटिंग मरीना का विकास
(2)	**टूरिस्ट सर्किट :–**
4	जनपद चमोली में गोविन्दघाट–घांघरिया–हेमकुण्ड साहिब फूलों की घाटी का पर्यटन सर्किट के रूप में विकास।
5	सीताबनी का नाईट सफारी के रूप में विकास
6	नैनीताल का इन्टीग्रेटेड के रूप में विकास।
7	नौटी कश्वा चान्दपूर गढीसेन हैरिटेज एवं इको–टूरिज्म पर्यटन सर्किट का विकास।
8	कुरूड़ नन्द–केसरी–वाण–वेदनी झील हैरिटेज एंव ईको टूरिज्म सर्किट का विकास
9	उत्तराखण्ड में मार्गीय सुविधाओं का विकास
10	पिरान कलियर का पर्यटन सर्किट के रूप में विकास

(3)	**मेगा प्रोजेटः–**
11	टिहरी लेक मेगा प्रोजेक्ट का इन्ट्रीग्रेटेट के रूप में विकास।
(4)	**एल0आर0जी0ः–**
12	हाथी पांव में रोपवे प्रोजेक्ट का विकास
(5)	**आई0एच0एम0ः–**
13	रामनगर, कुमाऊं में आई0एच0एम0 का विकास।
(6)	**रूरल टूरिज्मः–**
14	रूरल क्लस्टर (1 नम्बर)
(7)	**त्यौहार और मेलेः–**
15	अन्तराष्ट्रीय योग सप्ताह औली स्कीइंग प्रतियोगिता, शरद्वोत्सव आदि ।

(च) **13वें वित्त आयोग (2011–12 से 2014–15 तक) के अन्तर्गत** पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड हेतु रू0 100.00 करोड़ की धनराशि संस्तुत की गयी है, जिसके सापेक्ष प्रथम चरण में निम्न प्रस्तावों की वर्तमान स्थित निम्नवत् हैः–

(क) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत योजनायें

क0 सं0	योजना का नाम	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत लागत	वित्तीय वर्ष 2012–13 में स्वीकृति की गयी धनराशि
1	कौडियाला जनपद टिहरी गढ़वाल में ईको पर्यटन का विकास	358.58	203.33
2	चीला जनपद पौड़ी में ईको पर्यटन का विकास	397.47	210.00
3	कुमाऊँ मण्डल में 35 पुराने शौचालयों का उच्चीकरण/सुदृढ़ीकरण	435.53	230.00
4	हरिद्वार में आधुनिक शौचालयों का निर्माण	144.20	95.00
5	गढ़वाल मण्डल में 13 पुराने शौचालयों का उच्चीकरण/सुदृढ़ीकरण	141.96	95.00
	योग :–	**1477.74**	**833.33**

(ख) भारत सरकार को प्रेषित

क0 सं0	योजना का नाम	लागत	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत लागत
1	सोनप्रयाग पार्किंग का विकास	802.00	728.72
2	गौरीकुण्ड में पार्किंग–1	274.25	248.24
3	गौरीकुण्ड में पार्किंग–2	690.79	631.44
4	टिप–एन–टॉप लैन्सडाउन में गोरख मैस का उच्चीकरण।	170.15	166.45
5	पर्यटक आवास गृह केदारनाथ का विकास/उच्चीकरण।	252.72	221.88
6	प्री–फैब्रीकेटेड बायो डिग्रीबल शौचालय का निर्माण।	210.00	210.00

7	गढ़वाल मण्डल में 14 नये शौचालयों का निर्माण कार्य	315.76	311.64
8	गढ़वाल मण्डल में 10 शेष पुराने शौचालयों का उच्चीकरण/ सुदृढ़ीकरण कार्य	150.09	147.19
9	कुमाऊँ मण्डल में 15 नये शौचालयों का निर्माण कार्य	305.13	298.76
10	गोविन्द घाट पेयजल योजना की मरम्मत/ सुदृढ़ीकरण	24.45	22.16
11	गोविन्द धाम घांघरियां पेयजल योजना की मरम्मत/सुदृढ़ीकरण	21.76	14.49
12	हेमकुण्ड साहेब पैदल यात्रा मार्ग के अन्तर्गत गोविन्द घाट से घांघरियां तक पेयजल व्यस्था	34.20	26.92
	योग :–	**3251.30**	**3027.89**

(छ) भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से वर्ष 2004–05 से अब तक निम्नलिखित मेगा सर्किट/सर्किट/डेस्टिनेशनों हेतु धनराशि स्वीकृत की गयी है, जिनमें से कुछ योजनयें पूर्ण हो चुकी है एवं कतिपय योजनाओं पर निर्माण कार्य किये जा रहे है।

(रू0 लाख मे)

क्र0 सं0	योजना का नाम	स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत लागत
1	2	3	4
1	दयारा बुग्याल (जनपद उत्तराकाशी) सर्किट का पर्यटन विकास	2004–05	536.36
2	पौड़ी–खिर्सू–लैन्सडाउन (जनपद पौड़ी) पर्यटन सर्किट का पर्यटन विकास	2004–05	457.93
3	पिथौरागढ़ मुनस्यारी–बेरीनाग (जनपद पिथौरागढ़) कुमांऊ पर्यटन सर्किट का पर्यटन विकास	2004–05	418.60
4	हेमकुण्ड साहिब–घांघरिया–फूलों की घाटी, जनपद चमोली का पर्यटन सर्किट के रूप में समेकित विकास	2005–06	653.54
5	बद्रीनाथ टूरिस्ट पर्यटन सर्किट का समेंकित विकास	2005–06	702.09
6	गंगोत्री धाम (जनपद उत्तरकाशी) पर्यटन डेस्टिनेशन का पर्यटन विकास	2005–06	481.42
7	केदारनाथ धाम (जनपद रूद्रप्रयाग) पर्यटन डेस्टिनेशन का पर्यटन विकास	2005–06	453.13
8	नैनीताल–अल्मोड़ा–रानीखेत (जनपद नैनीताल एवं अल्मोड़ा) पर्यटन सर्किट का विकास	2005–06	764.71
9	उत्तराखण्ड में यमुनोत्री धाम जनपद उत्तरकाशी का पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकास	2006–07	448.99
10	बिन्सर–बैजनाथ–बागेश्वर पर्यटन सर्किट का विकास	2006–07	728.54
11	पर्यटन डेस्टिनेशन के अन्तर्गत कैलाश मानसरोवर (जनपद पिथैरागढ़) यात्रा मार्ग का विकास एवं कैम्पिंग साइट/सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण	2006–07	371.15
12	रीठा साहिब एवं नानकमत्ता (जनपद टिहरी गढ़वाल) का पर्यटन सर्किट के रूप में विकास	2007–08	466.59

13	कार्बेट नेशनल पार्क (जनपद नैनीताल) का पर्यटन सर्किट के रूप में विकास	2007—08	602.00
14	धनौल्टी—चम्बा—नरेन्द्र नगर (जनपद टिहरी गढ़वाल) का पर्यटन सर्किट के रूप में विकास	2007—08	554.93
15	मुन्स्यारी (जनपद पिथौरागढ़) का पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकास	2007—08	452.52
16	हरिद्वार—ऋषिकेश—मुनिकीरेती—स्वर्गाश्रम (जनपद—हरिद्वार, देहरादून, टिहरी गढ़वाल एवं पौड़ी मेगा पर्यटन सर्किट का विकास)	2008—09	4452.22
17	पर्यटन सर्किट के अन्तर्गत देहरादून (जनपद—देहरादून) के विकास कार्य ।	2010—11	250.88
18	पर्यटन डेस्टिनेशन के अन्तर्गत साहसिक पर्यटन के विकास हेतु साहसिक उपकरणो का क्रय (जनपद—देहरादून एवं चमोली) केन्द्राश—रू0 250.00 लाख, राज्यांश—रू0 750.00 लाख, योगः— रू0 1000.00 लाख	2010—11	1000.00
19	औली जनपद—चमोली में ईको हट्स का पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकास	2010—11	461.62
20	टिहरी लेक बैंक वाटर्स (जनपद टिहरी गढ़वाल) पर्यटन डेस्टिनेशन का विकास	2010—11	496.74
21	पुरोला—नैटवाड़—हरकीदून (जनपद उत्तरकाशी) ईको पर्यटन सर्किट का विकास	2010—11	700.85
22	भवाली—रामगढ़—मुक्तेश्वर—भीमताल—हरीशताल—हैड़ाखान—हल्द्वानी (जनपद नैनीताल) वैलनेस पर्यटन सर्किट का विकास	2010—11	800.00
23	पंचप्रयाग पर्यटन सर्किट का विकास (विष्णुप्रयाग, नन्दप्रयाग, कर्णप्रयाग, कालीमाठ, कालेश्वर,गोचर)	2011—12	772.76
24	हरिपुरा—नानक सागर—लोहाघाट—नौकुचियाताल—मायावती आश्रम—काठगोदाम टूरिस्ट सर्किट का निर्माण	2011—12	689.53
25	ईको टूरिज्म एट अल्मोड़ा का पर्यटन विकास	2011—12	490.80
26	रामगंगा वैली एण्ड कौसानी रेंज (कुमांऊ) अल्पज्ञात आकर्षण सर्किट का विकास	2011—12	743.98
27	हरिद्वार ऋषिकेश—मुनिकीरेती—स्वर्गाश्रम मेगा सर्किट के अवशेष कार्य (मिसिंग गैप)	2011—12	541.21
28	फूड क्राफ्ट संस्थान अल्मोड़ा	2011—12	906.00
29	सातताल का ईको टूरिज्म के रूप में विकास	2011—12	494.79
30	एबटमाउन्ट का ईको टुरिज्म के रूप में विकास	2011—12	495.70
31	लैन्सडाऊन का ईको टुरिज्म के रूप में विकास	2011—12	495.95
32	बागेश्वर—बैजनाथ—लोहाघाट का पर्यटन सर्किट के रूप में विकास	2011—12	800.00
33	निर्मल गंगोत्री मेगा पर्यटन सर्किट का विकास	2011—12	5000.00
34	टिहरी में वाटर एडवेन्चर सेन्टर की स्थापना	2011—12	497.47
	योग :—		**28183.00**

3 तीर्थाटन का विकासः–

चारधाम यात्रा को यात्रियों/पर्यटकों हेतु और अधिक सुविधाजनक बनाने तथा प्रबन्धन व्यवस्था में सुधार करने हेतु भारत सरकार से भी वित्तीय सहायता प्राप्त की गयी है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2004–05 में बद्रीनाथ ट्रैवल सर्किट के समेकित विकास हेतु रू0 702.09 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की गई हैं। वर्ष 2005–06 में भारत सरकार से केदारनाथ धाम के पर्यटन विकास हेतु रू0 453.13 लाख एवं गंगोत्री धाम के पर्यटन विकास हेतु रू0 481.42 लाख एवं हेमकुण्ड–घांधरिया–फूलों की घाटी सर्किट के लिये रू0 653.54 लाख, यमुनोत्री धाम डेस्टिनेशन हेतु रू0 448.99 लाख तथा रीठा साहिब–नानकमत्ता पर्यटन सर्किट हेतु रू0 466.59 लाख की धनराशि की स्वीकृति प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 2008–09 में हरिद्वार मेगा पर्यटन सर्किट के विकास हेतु भारत सरकार द्वारा रू0 4993.43 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिस पर कार्य अन्तिम चरण में है। चारधाम यात्रा के अन्तर्गत यमुनोत्री एंव केदारनाथ पैदल मार्गो के सुधार, बद्रीनाथ धाम में दर्शनार्थियों के लिये रैन शैल्टर व रैलिंग आदि कायों के लिये ग्यारहवें वित्त आयोग की संस्तुति पर रू0 1290.60 लाख की धनराशि से योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार के सहयोग से मेगा पर्यटन सर्किट के अन्तर्गत, निर्मल गंगोत्री मेगा पर्यटन सर्किट, हेतु रू0 5000.00 लाख की धनराशि स्वीकृत करते हुए प्रथम किस्त के रूप में रू0 2500.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई जिस पर निमार्ण कार्य प्रारम्भ किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

4–नैसर्गिक व पारिस्थितिकीय (इको टूरिज्म) पर्यटन का विकासः–

पर्यटन आकर्षण के विकास के उद्देश्य से जंगल सफारी, नेचर वाक, कैंपिग क्षेत्रों का विकास, जैव विविधता को प्रदर्शित करने के लिये वानस्पतिक उद्यान, सह–हेरिटेज सेन्टर्स की स्थापना, थीम पार्कस् का विकास तथा भूकम्पीय संवेदनशील क्षेत्रों में भवन के निर्माण में भूकंप रोधी प्रक्रिया के उपयोग के सम्बन्ध में पर्यटन विभाग सतत् क्रियाशील है। इकोटूरिज्म विकास योजना अन्तर्गत पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से अल्मोड़ा, एबट माउन्ट जनपद चम्पावत,साततात जनपद नैनीताल, लैन्सडाउन जनपद पौड़ी औली, जनपद चमोली, पुरोला नैटवाड–हरकीदून पर्यटन सर्किट, जनपद उत्तरकाशी में योजनायें विकसित की जा रही है।

5–मनोरंजन पर्यटन का विकासः–

रोपवे, मनोरंजन पार्क, गोल्फ कोर्स, चिल्ड्रन्स पार्क, झील सरोवर तथा दर्शनीय स्थलों के विकास एंव विस्तार की योजना के लिये निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत एशिया में सबसे लम्बी बन्जी जम्पिंग, प्लाइंगस फाक्स तथा जाइन्ट स्विंग की सुविधाओं का सृजन मोहन चट्टी में कराया गया है।

6–ग्रामीण पर्यटन योजनाः–

उत्तराखण्ड में ग्रामीण पर्यटन योजना को विकसित करने हेतु अनेको नैसर्गिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व के गांव विद्यमान है, इन ग्रामों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये एवं आधारभूत सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्रामीण पर्यटन(हार्डवेयर प्रोजेक्ट) एवं सॉफटवेयर प्रोजेक्ट के विकास के कार्य सम्पादित किये जा रहे है। भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार ग्रामीण पर्यटन के हार्डवेयर प्रोजेक्ट के अन्तर्गत निम्न कार्यो को विभिन्न ग्रामीण ईकाईयों के माध्यम से सम्पादित कराया जा रहा हैः–

(1)–ग्राम के आसपास का सौन्दर्यीकरण।

(2)–लैण्ड स्केपिंग का कार्य।

(3)–पार्को का विकास।

(4)–कम्पाउण्ड वॉल एवं फेन्सिंग।
(5)–पंचायत की सीमा के अन्दर गांव से जुडने वाले समस्त मार्गो का सुधार।
(6)–गांव में प्रकाश व्यवस्था।
(7)–सोलिड वेस्ट मैनेजमैंट एवं सीवरेज सिस्टम की व्यवस्था।
(8)–मार्गीय सुविधाओं का निर्माण।
(9)–जलक्रीडा, साहसिक क्रीडा सम्बन्धी उपकरणों का क्रय।
(10)–ईको फ्रेडली ट्रांसपोर्ट का कार्य।
(11)–स्मारकों का सौन्दर्यीकरण/सुधार।
(12)–साईनेज की स्थापना।
(13)–स्वागत कक्ष का निर्माण।
(14)–पर्यटन से सम्बन्धित अन्य कार्य।।
(15)–पर्यटकों हेतु पर्यटक आवास का निर्माण।

उक्त के साथ ही साफ्टवेयर प्रोजेक्ट के अन्तर्गत स्थानीय ग्रामवासियों को एन0जी0ओ0 के माध्यम से निम्नलिखित प्रशिक्षण प्रदान करवाया जा रहा हैः–

(1)– फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी का प्रशिक्षण
(2)– पर्यटन गतिविधि से सम्बन्धी प्रशिक्षण
(3)– जागरूकता प्रशिक्षण
(4)– होटलियर के लिये प्रशिक्षण
(5)– गाईडों का प्रशिक्षण
(6)– स्किल आगमेंटेंशन प्रशिक्षण
(7)– डिजाईन एवं प्रोडक्ट डेवलपमैंट प्रशिक्षण
(8)– बेसिक इंगलिश प्रशिक्षण
(9)– महिला सैल्फ हैल्प ग्रुप का प्रशिक्षण
(10)– पर्यटन व्यापार से सम्बन्धित कानूनी निर्देशों का प्रशिक्षण
(11)– प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण
(12)– स्वास्थ्य एवं हाईजेनिक प्रशिक्षण
(13)– पर्यटन, हॉस्पिटेलिटी, आचार–व्यवहार, पर्यटन कम्युनिकेशन, पर्यटकों के लिये फूड एण्ड बेवरेज सर्विस (आर्गेनिक फूड सहित) प्रशिक्षण आदि।

वर्तमान में ग्रामीण पर्यटन योजना के अन्तर्गत 12 योजनायें क्रियान्वित की जा रही है, जिनका विवरण निम्नवत हैः–

(स्वीकृत धनराशि)

क्र0 सं0	पर्यटन ग्राम का नाम	हार्डवेयर	साफ्टवेयर
1	2	3	4
1	कसारदेवी जनपद अल्मोडा का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	42.30	–
2	जागेश्वर जनपद अल्मोडा का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	50.00	20.00
3	केन्द्र पोषित योजनाओं के अन्तर्गत पर्यटन ग्राम कोटी इन्द्रोली एवं पत्यूड(जौनसार बाबर क्षेत्र) का पर्यटन विकास	47.10	17.00
4	ग्रामीण पर्यटन के अन्तर्गत हब ग्राम मोटाड(उत्तरकाशी) का पर्यटन विकास	48.50	–
5	ग्रामीण पर्यटन के अन्तर्गत हब ग्राम अगोडा(डोडीताल) का पर्यटन विकास	48.50	–

6	यू0एन0डी0पी0 के अन्तर्गत ग्राम माणा(चमोली) का विकास	50.00	20.00
7	ग्राम सारी देवरियाताल(रूद्रप्रयाग) का ग्रामीण पर्यटन(इको टूरिज्म) के रूप में विकास	45.14	16.50
	ग्राम नानकमत्ता(जनपद उद्यमसिंहनगर) का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	48.82	20.00
9	ग्राम पदमपुरी(जनपद नैनीताल) का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	50.00	20.00
10	ग्राम आदि कैलाश(जनपद नैनीताल) का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	50.00	20.00
11	ग्राम त्रिजुगीनारायण(जनपद रूद्रप्रयाग) का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	50.00	20.00
12	ग्राम चैकूनीबोरा(जनपद चम्पावत) का पर्यटन ग्राम के रूप में विकास	44.20	20.00
	योग	**574.56**	**173.50**

अध्याय–4
गतवर्ष की परफारमेन्स की समीक्षा

(1)– जिला योजना 2012–13 में पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण विकास एवं सुविधायें आदि (चालू/नये कार्यो) हेतु रू0 400.00 लाख, टी0एस0पी0 के अन्तर्गत पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण, विकास तथा सुविधायें आदि(चालू/नये कार्य) हेतु रू0 7.80 लाख, एस0सी0एस0पी0 योजना के अन्तर्गत रू0 60.04 लाख तथा पर्वतीय क्षेत्र में साहसिक पर्यटन को बढावा देने हेतु रू0 85.56 लाख की धनराशि विभिन्न योजनाओं पर व्यय की गई।

(2)– राज्य सैक्टर की चालू योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2012–13 में रू0 237.47 लाख का व्यय किया गया जिससे अनेकों योजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण करवाकर जनउपयोग में लाया गया।

(3)– केन्द्रीय वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं पर राज्यांश के रूप में रू0 150.00 लाख की धनराशि व्यय की गयी है।

(4)– 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष में अब तक रू0 824.52 लाख की धनराशि व्यय की गयी है। इसके अन्तर्गत चीला का ईको टूरिज्म के रूप में विकास, कौड़ियाला का ईको टूरिज्म के रूप में विकास, हरिद्वार के विभिन्न स्थलों पर हाईटैक शौचालयों का निर्माण, कुमाऊं मण्डल में शौचालयों का विस्तारीकरण, उच्चीकरण/जीर्णोद्धार, गढ़वाल मण्डल में शौचालयों का विस्तारीकरण, उच्चीकरण/जीर्णोद्धार से सम्बन्धित योजनायें स्वीकृत की गयी है।

(5) चारधाम यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं का निर्माण/विकास (इस योजना के अन्तर्गत चारधाम यात्रा मार्ग पर आधारभूत सुविधाओं के अन्तर्गत शौचालयों का निर्माण, पार्किंग स्थलों का विकास, अन्य आवासीय सुविधाओं का विस्तार, बायो डायजेस्टर शौचालयों के निर्माण हेतु रू0 100.00 लाख की धनराशि व्यय की गयी है ।

(6)– राज्य सैक्टर की नई योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2012–13 में रू0 294.48 लाख का व्यय किया गया जिसके अन्तर्गत नन्दादेवी राजजात से सम्बन्धित कार्यो, UTDB में पार्किंग निर्माण तथा जार्ज एवरेस्ट में 172.91 एकड़ भूमि की तारबाड़ पर व्यय की गयी है।

(7) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद को प्राप्त होने वाले अनुदान के अन्तर्गत चारधाम यात्रा व्यवस्था, पर्यटन प्रचार–प्रसार, कन्सलटेन्सी, मानव संसाधन विकास, पर्यटन परिषद का गठन इस मद के अन्तर्गत राज्य आकस्मिकता निधि से नन्दादेवी राजजात में आवश्यक व्यवस्थाओं के सृजन आदि योजनायें सम्मिलित है इस योजना के अन्तर्गत रू0 2250.00 लाख की स्वीकृति निर्गत करते हुये व्यय की गयी है।

(8) अल्मोड़ा में फूड क्राफ्ट इंस्टीटयूट की स्थापना हेतु रू0 80.00 लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी है जिस पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।

(9) आई0एच0एम0 गढ़ीकैन्ट में गर्ल्स हास्टल के निर्माण हेतु रू0 80.00 लाख की धनराशि व्यय की गयी है। जिस पर निर्माण कार्य पूर्ण करवाया जा रहा है।

अध्याय–4 (4.1)
योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2012–13)

(रू0 हजार में)

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि	आउटकम		आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि
			नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	राजस्व									
1	उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद हेतु अनुदान	उत्तराखण्ड में पर्यटन का विकास करने हेतु परिषद के कार्यालयों के संचालन तथा आयोजनागत योजनाओं प्रचार–प्रसार, कन्सलटैन्सी, यात्रा व्यवस्था, साहसिक क्रिया कलाप तथा पर्यटन परिषद का गठन पर होने वाले व्यय की पूर्ति हेतु	–	20000	16000	225000	आयोजनागत परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा पर्यटन के व्यापक प्रचार–प्रसार की प्रगति के कारण वर्ष 2012 में 282.93 लाख देशी तथा 1.41 लाख विदेशी पर्यटक उत्तराखण्ड में भ्रमण पर आयें। आयोजनागत परियोजनाओं की तथा अन्य योजनाओं की भी गतवर्ष की अपेक्षा में अच्छी प्रगति रही है।			
2	वेतन भत्तों के लिये सहायक अनुदान	उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद में नियुक्त अधिकारियों/ कर्मचारियों के वेतन भत्तों का भुगतान हेतु सहायक अनुदान	–	–	12500	–	परिषद में नियुक्त समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को देय वेतन का भुगतान करते हुए शत–प्रतिशत उपलब्धी प्राप्त की गई।			
3	यात्रा प्रशासन संगठन अधिष्ठान	यात्रा प्रशासन संगठन ऋषिकेश के अधिष्ठान हेतु	–	–	850	–	चारधाम यात्रा का सफल संचालन यात्रा प्रशासन संगठन के माध्यम से सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया।			

4	शासकीय कर्मचारियों का अधिष्ठान (मुख्यालय)	पर्यटन निदेशालय, गढ़ी कैन्ट में तैनात राज्य कर्मचारियों के वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु	–	–	9850	–	निदेशालय में नियुक्त समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को देय वेतन का भुगतान करते हुए शत–प्रतिशत उपलब्धी प्राप्त की गई।			
5	जिला स्तर के पर्यटन कार्यालयों हेतु सम्वर्द्धन तथा प्रचार	जिला स्तर तथा प्रमुख पर्यटक स्थलों पर स्थित पर्यटन कार्यालयों में कार्यरत राज्य कर्मचारियों के वेतन भत्तों का भुगतान करने हेतु	–	–	26655	–	पर्यटन निदेशालय के जिला स्तर तथा प्रमुख पर्यटक स्थलों में स्थित कार्यालयों में तैनात राज्य कर्मचारियों के नियमित वेतन भत्तों का शत प्रतिशत भुगतान किया गया।		–	
6	ऋण उपादान/ स्वरोजगार योजना	वीर चन्द्र सिंह गढवाली पर्यटन स्वरोजगार योजना हेतु बैंकों से ऋण लेने वाले पर्यटन व्यवसाय के उद्यमियों को अनुदान का भुगतान करने हेतु	–	150000	–	130000	वर्ष 2012–1213 (फरवरी–2013 तक) 276 उद्यमियों को योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया गया है	–		
7	राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान अधिष्ठान	राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान, अल्मोडा एवं देहरादून में नियुक्त कार्मिकों के वेतन भत्तों तथा संस्थानों के संचालन हेतु अन्य समस्त मानक मदों के व्यय का भुगतान करने हेतु	–	–	26615	–	राजकीय होटल मैनेजमैन्ट संस्थान, देहरादून एवं अल्मोड़ा में कार्यरत समस्त कार्मिकों के वेतन आदि का भुगतान कराया गया तथा गत वर्ष में 120 छात्र–छात्राओं को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस प्रकार दोनो संस्थानों के माध्यम से अबतक कुल 1252 छात्र–छात्राओं को डिप्लोमा/स्नातक की उपाधि प्रदान कर उपलब्धि हासिल की गई।			

	पूंजीगत									
8	केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें ।	यात्रा व्यवस्था हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण तथा मेगा पर्यटन सर्किट निर्माण योजना संचालित करने हेतु	–	50000	–	31001	इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय की वित्तीय सहायता से विभिन्न योजनायें यथा–मेगा पर्यटन सर्किट, पर्यटन सर्किट टूरिस्ट डेस्टिनेशन, पर्यटन ग्राम आदि योजनाओं क्रियान्वित करायी जा रही है। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उक्त योजनाओं में प्रथम किस्त के रूप में अधिकांशत: 80 प्रतिशत धनराशि ही अवमुक्त की जाती है, शेष 20 प्रतिशत धनराशि योजनाओं को पूर्ण कराकर उनके उपयोगिता/कम्प्लीशन प्रमाण–पत्र आदि भारत सरकार को उपलब्ध कराये जाने पर ही अवमुक्त की जाती है। इस प्रकार उक्त 20 प्रतिशत धनराशि की प्रत्याशा में राज्य स्तर से ही वहन की जानी है। वर्ष 2012–13 में हरिद्वार ऋषिकेश मेगा पर्यटन सर्किट हेतु केन्द्रांश/राज्यांश द्वारा अवमुक्त धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है।			
9	13वे वित्त आयोग की संस्तुतियों पर पर्यटन का विकास	केन्दीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें		40000		83333	इस योजना के अन्तर्गत कौड़ियाला, चीला में ईको हट्स गढ़वाल मण्डल एवं कुमाऊं मण्डल मे शौचालयों का जीर्णोधार तथा हरिद्वार में नयें शौचालयों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी है इसके अतिरिक्त पार्किंग,शौचालय एवं अन्य मूल्यभूत सुविधाओं के विकास के प्रस्ताव शासन को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये गये है।			

10	राज्य सैक्टर की योजना	राज्य सैक्टर के अन्तर्गत आवासीय/ अनावासीय भवनों का निर्माण, भूमि अध्याप्ति/क्रय, चालू निर्माण कार्य, विभागीय भवनों की मरम्मत, नई योजनाओं का निर्माण कार्य, निजी क्षेत्र की भागीदारी हेतु लैण्ड बैंक की स्थापना, चारधाम यात्रा मार्गो पर आधारभूत सुविधाओं का निर्माण/विकास तथा ट्रैकिंग मार्गो का सुधार/विकास सम्बन्धी कार्य।	–	308500	–	90419	इस योजना के अन्तर्गत राज्य सैक्टर की चालू/नयी योजनाओं हेतु विभागीय भवनों की मरम्मत/चारधाम यात्रा मार्ग पर आवश्यक सुविधाओं के सृजन पर्यटन विकास योजनाओं हेतु भूमि अध्याप्ति/क्रय आदि योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।			
10	जिला योजना	जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटन स्थलों का सौन्दर्यीकरण, विकास तथा सुविधाओं को विकसित करने तथा उत्तराखण्ड में साहसिक पर्यटन को बढावा देने की विभिन्न जनपद स्तरीय योजनाओं का संचालन करने हेतु	–	221066	–	52000	जिला अनुश्रवण एवं नियोजन समिति द्वारा अनुमोदित परिव्यय के सापेक्ष शत प्रतिशत योजनओं पर वित्तीय स्वीकृतियां जारी की गई है, जिसके अनुसार जनपद स्तरीय योजनाओं का संचालन सम्बन्धित जिला पर्यटन विकास अधिकारी द्वारा किया जा रहा है।			
11	बाहय सहायतित परियोजना	पर्यटन विभाग की बाहय सहायतित योजनायें निर्धारित किये जाने की योजना शासन के विचाराधीन है।	–	500000	–	400000	पर्यटन विभाग की बाहय सहायतित योजनाओं पर कार्य वित्तीय वर्ष 2013–14 से किया जाना है एवं पी0एम0यू0 का गठन किया जा चुका है			
12	अनुसूचित जातियों का कल्याण हेतु राज्य सैक्टर की योजना	अनुसूचित जाति बाहय क्षेत्र में पर्यटन विकास की नई योजनाओं का संचालन करने हेतु	–	40288	–					

13	अनुसूचित जातियों का कल्याण हेतु जिला योजना	जिला योजना के अन्तर्गत चालू/नई योजनायें जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जाति बाहय क्षेत्र की विभिन्न पर्यटन स्थलों का विकास एवं सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु	–	31312	–	8000	आय–व्ययक के सापेक्ष एस0सी0 एस0पी0 योजनाओं पर धनराशि व्यय की जा रही है।			
14	जनजाति क्षेत्र उपयोजना राज्य सैक्टर	अनुसूचित जाति/जनजाति क्षेत्रों का पर्यटन विकास करने हेतु स्पेशल कम्पोनेंट प्लान की योजना के अन्तर्गत राज्य सैक्टर की योजनाओं हेतु	–	21674	–		आय–व्ययक प्राविधान ना होने के कारण धनराशि स्वीकृत नहीं हुयी है।			
15	जनजाति क्षेत्र उपयोजना जिला योजना	अनुसूचित जाति/जनजाति क्षेत्र के लिये जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण विकास करने हेतु	–	3326	–	1488	आय–व्ययक के सापेक्ष योजनाओं पर धनराशि व्यय की जा रही है।			

अध्याय–5

वित्तीय समीक्षा योजनावार प्राविधान तथा व्यय (हजार रू0 में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	लेखाशीर्षक	आय–व्ययक प्राविधान		वास्तविक व्यय वर्ष 2012–2013 (दिनांक 28.02.2013 तक की स्थिति)	
			आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत
1	2	3	4	5	6	7
	अनुदान सं0–26 राजस्वः–					
1	उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद को अनुदान	3452–पर्यटन–सामान्य– 001–निदेशन तथा प्रशासन–03–उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद				
		(क)–20–सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	16000	225000	10129	210000
		(ख)–43–वेतन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान	12500	–	12500	–
2	यात्रा प्रशासन संगठन ऋषिकेश	3452–पर्यटन–80–सामान्य –001–निदेशक तथा प्रशासन–04–यात्रा प्रशासन संगठन अधिष्ठान	850	–	636	–
3	शासकीय कर्मचारियों का अधिष्ठान	3452–पर्यटक–80– सामान्य–001–निदेशक तथा प्रशासन–05–शासकीय कर्मचारियों का अधिष्ठान (मुख्यालय)	9850	–	7990	–
4	जिला स्तरीय तथा प्रमुख स्थलों पर स्थापित कार्यालयों के अधिष्ठान व्यय हेतु	3452–पर्यटन–80–सामान्य– 104–सम्वर्द्धन तथा प्रचार–03–अधिष्ठान	26655	–	22265	–
5	राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान देहरादून एवं अल्मोडा	3452–पर्यटन–80–सामान्य– 104–सम्वर्द्धन तथा प्रचार–18–राजकीय होटल मैनेजमैंट एवं कैटरिंग संस्थान–अधिष्ठान	26615	–	19888	–
5	वीर चन्द्र सिंह गढवाली स्वरोजगार योजना हेतु अनुदान	3452–पर्यटन–80–सामान्य– 104–सम्वर्द्धन तथा प्रचार–07–ऋण उपादान/स्वरोजगार योजना	–	130000	–	130000
6	केन्द्रीय आयेजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें	3452–पर्यटन–80–सामान्य– 104–सम्वर्द्धन तथा प्रचार–0102–13वे वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत पर्यटन का विकास		400000		82452
	पूंजीगतः–					
7	केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित	लेखाशीर्षक–5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80– सामान्य–आयोजनागत– 104–सम्बर्धन तथा प्रचार				
		(क)–0102–पर्वतीय क्षेत्र में यात्रा व्यवस्था हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण–42–अन्य व्यय	–	35000	–	15000

		(ख)–0103–मेगा पर्यटन सर्किट निर्माण योजना–24 वृहत निर्माण कार्य	–	1	–	-
		(ग)–0106–अल्मोडा में फूडकाफ्ट की स्थापना 24–वृहत निर्माण कार्य	-	8000	-	8000
		(घ)–0107– आई0एच0एम0, गढ़ी कैन्ट में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण–24 वृहत निर्माण कार्य		8000	-	8000
		(च) एस0पी0ए0 के अन्तर्गत मसूरी में कार्ट मैकेन्जी रोड़ पर पार्किंग का निर्माण	-	150000	-	-

	राज्य सैक्टर	5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80–सामान्य–104–सम्बर्द्धन तथा प्रचार–				
		(क)–0402–पर्यटन परिषद के लिये आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण 24–वृहत निर्माण कार्य	–	1	–	–
		(ख)–0419–पर्यटक आवास गृहों/पर्यटन विकास योजनाओं के लिये भूमि अध्याप्ति/क्रय–42–अन्य व्यय	–	6918	–	5000
		(ग)–0447–निर्माण कार्य चालू–24–वृहत निर्माण कार्य	–	30000	–	20442
		(घ)–0448–विभागीय भवनों की मरम्मत–24–वृहद निर्माण कार्य	–	2500	–	2500
		(ड.)–0449–पर्यटन विकास की नई योजनायें 24–वृहद निर्माण कार्य	–	40000	–	24448
		(च)–0450–निजी क्षेत्र की भागीदारी हेतु लैंड बैंक की स्थापना 42–अन्य व्यय	–	1	–	–
		(छ)–0452–चारधाम यात्रा मार्गो पर आधारभूत सुविधाओं का निर्माण/विकास 24–वृहद निर्माण कार्य	–	10000	–	7006
		(ज)–0453–ट्रैकिंग मार्गो का सुधार/विकास 24–वृहद निर्माण कार्य	–	1000	–	–
9	जिला योजना	(क)–9107–पर्यटक स्थलों का सौन्दर्यीकरण, विकास तथा सुविधायें आदि–42–अन्य व्यय	–	40000	–	36602
		(ख)–9109–पर्वतीय क्षेत्र में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा–42–अन्य व्यय	–	12000	–	8556
10	97–बाहय सहायतित योजना	9701–पर्यटन विभाग की बाहय सहायतित परियोजनायें–24–वृहत निर्माण कार्य	–	400000	-	-
	अनुदान सं0–30 पूंजीगतः–					
11	एस0सी0एस0पी0 अनुसूचित जातियों का कल्याण	5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80–सामान्य–104–सम्बर्द्धन तथा प्रचार–04–राज्य	–	-	–	–

	97–बाहय सहायतित योजना	सैक्टर–97–बाहय सहायतित योजना–24 वृहत निर्माण कार्य				
12	एस0सी0एस0पी0 अनुसूचित जातियों का कल्याण	5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80–सामान्य–104–सम्बर्द्धन तथा प्रचार–91–जिला योजना(चालू/नई योजना) 24–वृहत निर्माण कार्य	–	8000	–	6004
	अनुदान सं0–31 पूंजीगतः–					
13	टी0एस0पी0(राज्य सैक्टर) (अनुसूचित जातियों का कल्याण) 97–बाहय सहायतित योजना	5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80–सामान्य–9701–पर्यटन विभाग की बाहय सहायतित योजना	–	–	–	–
14	टी0एस0पी0(जिला योजना) (अनुसूचित जातियों का कल्याण)	5452–पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय–80–सामान्य–796–जनजाति क्षेत्र उपयोजना–91–जिला योजना–01–चालू योजनायें	–	1488	–	780

(परिशिष्ट–अ)

आउटकम बजट (outcome budget) 2013–14

कुमाऊं मण्डल विकास निगम लि0,नैनीताल से सम्बन्धित सूचना

1–निगम के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी :–

कुमाऊॅ मण्डल विकास निगम लि0 द्वारा निम्न क्षेत्रो मे व्यावसायिक कार्य किये जा रहे है जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः–

समूह	कार्यकलाप
पर्यटन	पर्यटक आवासगृहो का संचालन, कन्डक्टेड पैकेज एवं ट्रेकिंग टुअर्स, होली–डे–कैम्प, कैलाश मानसरोवर एवं आदि कैलाश यात्रा, साहसिक पर्यटन, रज्जुमार्ग एवं इको–केव गार्डन ।
विपणन	कुकिंग गैस वितरण, जडी–बूटी एवं फल विपणन, पेट्रोल पम्प कमं सर्विस स्टेशन, कार पार्किग,बोल्डर–बजरी खनन कार्य।
उद्योग	औद्योगिक निर्मात्री इकाइयॉ – रोजिन एवं तारपीन, कॉटेदार तार एवं पौलीथीन थैलिया ।
निर्माण	पर्यटक आवास गृह, सरकारी भवनों एंव विभागीय कार्यो का निर्माण ।

–– **संगठनात्मक ढांचा**

संगठनात्मक ढांचा फोल्डर में मगबमस ैममज में वतहंदपेंजपवद बींतज फाइल में है ।

––– विभाग द्वारा संचालित योजनायें/कार्यक्रमों की सूची तथा तदविषयक लक्ष्य :–

–– महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रम – शून्य

2– विभाग द्वारा प्रस्तावित(वर्ष 2013–14)की प्रत्येक योजनाओं के सम्बन्ध में सूचनाः–

योजना का नाम	योजना का उद्देष्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नॉन प्लान	प्लान	नॉन प्लान	प्लान		नॉन प्लान	प्लान	

निगम से सम्बन्धित सूचना शून्य समझी जाय ।

निगम से सम्बंधित 2013–14 हेतु वार्शिक आय–व्यय का लक्ष्य निम्न प्रकार है।

कुमाऊ मण्डल विकास निगम लि0 नैनीताल का वर्ष 2013.2014 वार्षिक लक्ष्य एक नजर में (लाख रूपये में)			
	कक्ष का नाम	2013.2014	2013.2013
		आय का लक्ष्य	व्यय का प्राविधान
	(क)पर्यटन		
1	पर्यटक आवास गृह / कैन्टीन / पैकेज टूअर / टेकिंग /यात्रा	**2000.00**	**1930.00**
	(ख) विपणन		
1	कुकिंग गैस	18000.00	17750.00
2	जडी–बूटी एवं फल विपणन मिस्ट चैम्बर	22.50	30.00
3	पैट्ोल पम्प एवं सर्विस स्टेशन	1200.00	1199.00
		19222.50	**18979.00**

	(ग) आबकारी		
1	बार(प0आ0गृह स्नोभ्यू	**20.00**	**13.00**
	(घ)खनन		
1	बोल्डर बजरी	**350.00**	**200.00**
	(ङ.) उद्योग		
1	रोजिन एण्ड टरपेन्टाइन	0.00	18.00
2	पर्वत वायस	0.00	145.00
3	पर्वत प्लास्टिक	0.00	30.00
		0.00	**193.00**
	(च)निर्माण		
1	विभाग / संस्थाओं के निर्माण कार्य	**200.00**	**190.00**
	(छ) रोपवे	**260.00**	**122.00**
	(ज) केब गार्डन	**65.00**	**28.00**
	(झ)अन्य		
1	कारपाकिंग सूखाताल	6.50	14.00
2	कारपार्किग हल्द्वानी	40.00	35.00
3	शोपिग काम्पलैक्स हल्द्वानी	7.00	21.00
4	मुख्यालय	0.10	421.00
		53.60	**491.00**
	महायोग	**22171.10**	**22146.00**

3. विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य और नीतिगत पहल

व्यवसाय बढाये जाने हेतु प्रयास जारी है ।

4. गत वर्श की परफॉरमेन्स की समीक्षा

–– योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्श 2012–13)

योजना का नाम	उद्देष्य	आउट ले		आउटपुट		लक्षित आउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि	आउटकम		लक्षित आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि
		नॉन प्लान	प्लान	नॉन प्लान	प्लान		नॉन प्लान	प्लान	

निगम से सम्बन्धित सूचना शून्य समझी जाय ।

निगम से सम्बंधित 2012–13 हेतु वार्शिक आय–व्यय का विवरण निम्न प्रकार है।

वर्ष 2012–2013 में लक्ष्य के सापेक्ष माह जनववरी 2013 तक अर्जित आय (लाख रूपये में)

		आय का लक्ष्य	अर्जित आय	व्यय का प्राविधान	व्यय	लाभ–हानि का लक्ष्य	लाभ–हानि
	कक्ष का नाम	2012–2013	माह जनववरी 2013 तक	2012–2013	माह जनववरी 2013 तक	2012.2013	जनववरी 2013 तक
		1	2	3	4	5	6
	(क)पर्यटन						
1	आवास गृह / कैन्टीन / पैकेज टूअर / टेकिंग /यात्रा	**1780.00**	**1291.00**	**1721.90**	**1252.42**	**58.10**	**38.58**
	(ख) विपणन						
1	कुकिंग गैस	15946.15	11179.16	15701.95	10967.94	244.20	211.22
2	जडी–बूटी एवं फल विपणन मिस्ट चैम्बर	20.40	8.70	26.35	19.49	-5.95	-10.79

3	पैट्रोल पम्प एवं सर्विस स्टेशन	1024.00	962.91	1032.11	962.87	-8.11	0.04
		16990.55	**12150.77**	**16760.41**	**11950.30**	**230.14**	**200.47**
	(ग) आबकारी						
1	बार(प0आ0गृह स्नोभ्यू	**18.00**	**13.24**	**14.50**	**7.66**	**3.50**	**5.58**
	(घ)खनन						
1	बोल्डर बजरी	**350.00**	**122.93**	**224.50**	**127.87**	**125.50**	**-4.94**
	(डं.) उद्योग						
1	रोजिन एण्ड टरपेन्टाइन	0.00	0.00	15.90	11.82	-15.90	-11.82
2	पर्वत वायस	91.07	0.58	127.10	26.71	-36.03	-26.13
3	पर्वत प्लास्टिक	0.00	1.23	26.00	18.82	-26.00	-17.59
		91.07	**1.81**	**169.00**	**57.35**	**-77.93**	**-55.54**
	(च)निर्माण						
1	विभाग / संस्थाओं के निर्माण कार्य	**200.00**	**33.47**	**173.72**	**133.60**	**26.28**	**-100.13**
	(छ) रोपवे	**233.90**	**206.50**	**105.87**	**65.61**	**128.03**	**140.89**
	(ज) केब गार्डन	**60.00**	**53.27**	**24.10**	**18.26**	**35.90**	**35.01**
	(झ)अन्य						
1	कारपाकिंग सूखाताल	6.00	7.71	12.26	7.28	-6.26	0.43
2	कारपार्किग हल्द्वानी	35.10	30.36	30.67	26.41	4.43	3.95
3	शोपिग काम्पलैक्स हल्द्वानी	5.80	3.59	18.50	12.82	-12.70	-9.23
4	मुख्यालय	0.10	0.02	366.05	231.18	-365.95	-231.16
		47.00	**41.68**	**427.48**	**277.69**	**-380.48**	**-236.01**
	महायोग	**19770.52**	**13914.67**	**19621.48**	**13890.76**	**149.04**	**23.91**

5. वित्तीय समीक्षा

–– योजनावार प्राविधान तथा व्यय

वर्ष 2012–2013 में लक्ष्य के सापेक्ष माह जनववरी 2013 तक अर्जित आय (लाख रूपये में)							
		आय का लक्ष्य	अर्जित आय	व्यय का प्राविधान	व्यय	लाभ–हानि का लक्ष्य	लाभ–हानि
	कक्ष का नाम	2012–2013	माह जनववरी 2013	2012–2013	माह जनववरी 2013	2012.2013	जनववरी 2013 तक
			तक		तक		
		1	2	3	4	5	6
	(क)पर्यटन						
1	आवास गृह / कैन्टीन / पैकेज टूअर / टेकिंग /यात्रा	**1780.00**	**1291.00**	**1721.90**	**1252.42**	**58.10**	**38.58**
	(ख) विपणन						
1	कुकिंग गैस	15946.15	11179.16	15701.95	10967.94	244.20	211.22
2	जडी–बूटी एवं फल विपणन मिस्ट चैम्बर	20.40	8.70	26.35	19.49	-5.95	-10.79
3	पैट्रोल पम्प एवं सर्विस स्टेशन	1024.00	962.91	1032.11	962.87	-8.11	0.04
		16990.55	**12150.77**	**16760.41**	**11950.30**	**230.14**	**200.47**
	(ग) आबकारी						
1	बार(प0आ0गृह स्नोभ्यू	**18.00**	**13.24**	**14.50**	**7.66**	**3.50**	**5.58**
	(घ)खनन						

1	बोल्डर बजरी	**350.00**	**122.93**	**224.50**	**127.87**	**125.50**	**-4.94**
	(डं.) उद्योग						
1	रोजिन एण्ड टरपेन्टाइन	0.00	0.00	15.90	11.82	-15.90	-11.82
2	पर्वत वायस	91.07	0.58	127.10	26.71	-36.03	-26.13
3	पर्वत प्लास्टिक	0.00	1.23	26.00	18.82	-26.00	-17.59
		91.07	**1.81**	**169.00**	**57.35**	**-77.93**	**-55.54**
	(च)निर्माण						
1	विभाग / संस्थाओं के निर्माण कार्य	**200.00**	**33.47**	**173.72**	**133.60**	**26.28**	**-100.13**
	(छ) रोपवे	**233.90**	**206.50**	**105.87**	**65.61**	**128.03**	**140.89**
	(ज) केब गार्डन	**60.00**	**53.27**	**24.10**	**18.26**	**35.90**	**35.01**
	(झ)अन्य						
1	कारपाकिंग सूखाताल	6.00	7.71	12.26	7.28	-6.26	0.43
2	कारपार्किग हल्द्वानी	35.10	30.36	30.67	26.41	4.43	3.95
3	शोपिग काम्पलैक्स हल्द्वानी	5.80	3.59	18.50	12.82	-12.70	-9.23
4	मुख्यालय	0.10	0.02	366.05	231.18	-365.95	-231.16
		47.00	**41.68**	**427.48**	**277.69**	**-380.48**	**-236.01**
	महायोग	**19770.52**	**13914.67**	**19621.48**	**13890.76**	**149.04**	**23.91**

(परिशिष्ट—ब)

आउटकमबजट(Outcome Budget) 2013—14

गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि0 से सम्बन्धित सूचना

1—निगम के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी—

गढ़वालमण्डलविकासनिगमलि0 द्वारानिम्न क्षेत्रोंमेंव्यवसायिककार्यकियेजारहेहैं, जिनकासंक्षिप्तविवरणनिम्नवतहै—

1 गढ़वालमण्डलविकासनिगम लि0 के उददेश्योंकाविस्तृतवर्णनमेमोरेण्डमऑफ एसोसियेशनमेंकियागयाहै। संक्षेपमेंमुख्य उददेश्य निम्नप्रकारहैं—

2 औद्योगिकप्रतिष्ठान की स्थापनाकरना, उनकाविकासकरनातथाउनमें उधोगप्रदानकरना।सरकारी/अर्द्ध सरकारीअथवानिजी उधोंगोंकोस्थापितकरनेमेंवित्तीय, तकनीकीतथाअन्य प्रकारसेसहायताप्रदानकरना।

3 पर्यटन के क्षेत्र मेंकार्यकरनातथापर्यटनको बढ़ावादेने के लियेहोटल, रेस्टोरेन्ट, ट्रांसपोर्टआदि उधोगस्थापितकरना।

4 सम्बन्धित एरियामें खननसेसम्बन्धितकार्यकरना।

5 प्लान्टेशन, नयेबगीचों की स्थापना, भेड़पालन, डेरी उधोग, मधुमक्खीपालनअन्य वाणिज्यिकफसलोंकाउत्पादनकरना।

6 शीतगृह एंवभण्डारगृहोंकानिर्माण एंवसंचालन।

7 उधानविकासहेतुकार्यकरना।

8 बिजलीवितरण, औद्योगिकमाल, कच्चामाल, पीनेतथासिंचाईहेतुपानी, बीज, खाद, कीटनाशकआदिमेंसम्बन्धितइकाइयों की स्थापनाकरना।

9 सम्बन्धित क्षेत्र मेंपैदाहोनेवालीवस्तुओंकीविपणनव्यवस्थाकरना।

कार्यसंचालन :

निगम के कार्यो के उचितसंचालनहेतुनिगमकोविभिन्नविभागोंपर्यटन/विपणन/उघोग/निर्माण/खनन/ मदिरा/ वित्त/ प्रशासनमेंविभाजितकियागयाहै, जिसकासंगठनात्मकचार्टसंलग्नहै।

निदेशक मण्डल :

निगम के कार्य संचालन के लिये शासन द्वारा निदेशक मण्डल का गठन किया जाता है जिसमें सरकारी एंव गैर सरकारी दोनों प्रकार के व्यक्तिनिदेशकमण्डलमेंमनोनीतकियेजातेहैं।दिन–प्रतिदिन के कार्यो के सम्पादन के लियेउपरोक्तमेंसे एक निदेशकको शासनप्रबन्ध निदेशकनियुक्तकरताहै।जोकि शासनसेप्रतिनियुक्तिपरनिगममेंभेजाजाताहै ।

निगम के निदेशकमण्डलमेंइसरिर्पोट की तिथितकनिदेशकों की कुल संख्या तेरहथी।

गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि0 द्वारा निम्न क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है–

1– पर्यटन

2– विपणन

3– खनन

4– अभियन्त्रण

5– उधोग

–संगठनात्मक ढांचा–

संगठनात्मक चार्ट

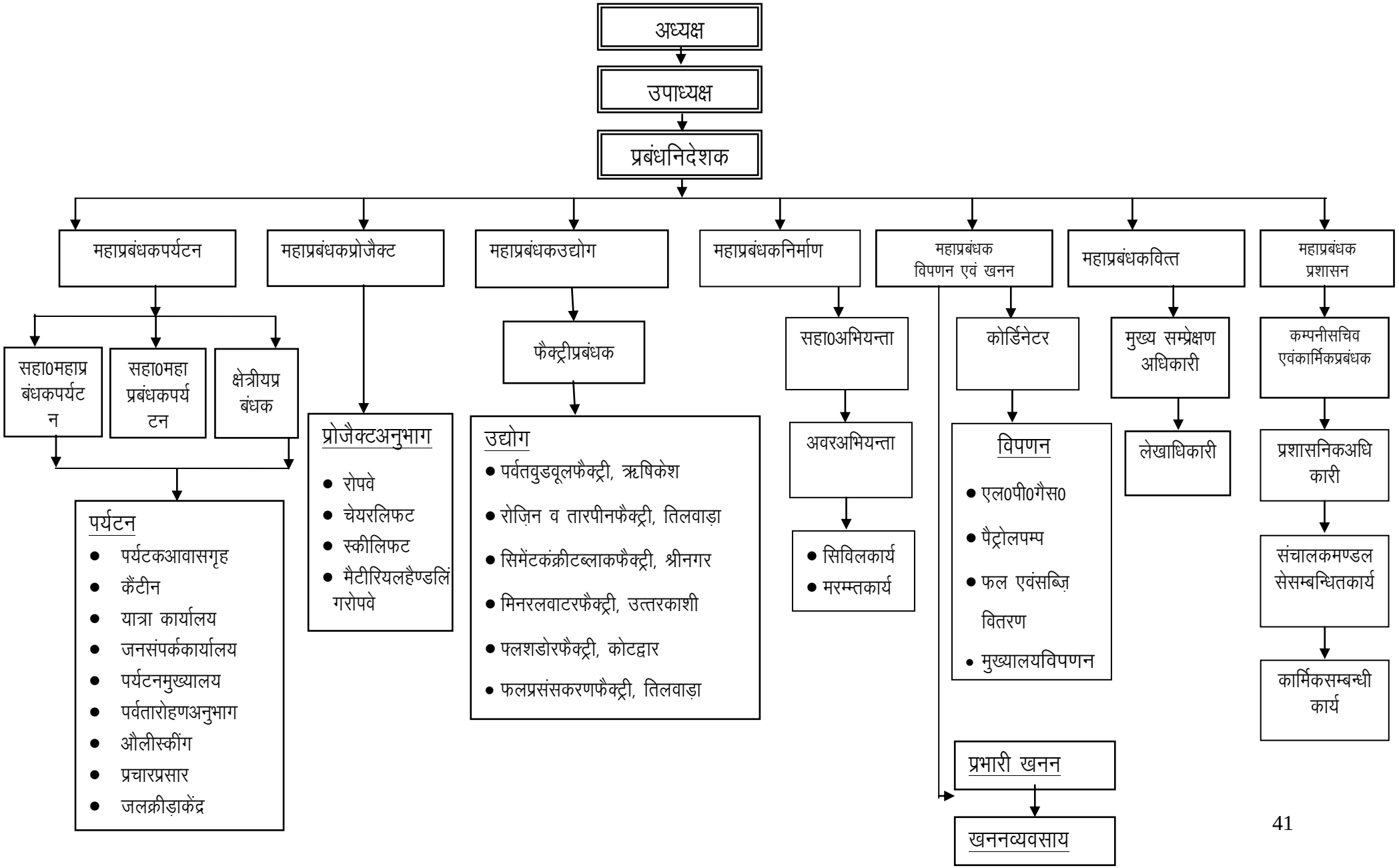

–विभाग द्वारासंचालित योजनायें/कार्यक्रमों की सूचीतथातदविषयक लक्ष्य –

–महिलाओं के सम्बन्ध मेंकार्यक्रम – शून्य

2–विभाग द्वाराप्रस्तावित (वर्ष 2013–14) की प्रत्येक योजनाओं के सम्बन्ध मेंसूचना–

योजनाकानाम	योजनाकाउददेश्य	आउटले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम		समयसीमा
		नॉनप्लान	प्लान	नॉनप्लान	प्लान		नॉनप्लान	प्लान	

निगमसेसम्बन्धितसूचना शून्य समझी जाय।

निगमसेसम्बन्धित 2013–14 हेतुवार्षिकआय–व्यय की प्रतिसंलग्नहै(संलग्नक अ) –

3–विभागमेंकियेगयेसुधारात्मककार्यऔरनीतिगतपहल–

व्यवसाय बढ़ायेजानेहेतुप्रयासजारीहैं।

4–गतवर्ष की परफॉरमेन्स की समीक्षा–

– योजनावारनिर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2012–13)

योजनाकानाम	उददेश्य	आउटले		आउटपुट		लक्षितआउटपुट के सापेक्ष उपलब्धि	आउटकम		लक्षितआउटकम के सापेक्ष उपलब्धि
		नॉनप्लान	प्लान	नॉनप्लान	प्लान		नॉनप्लान	प्लान	

निगमसेसम्बन्धितसूचना शून्य समझी जाय।

निगम से सम्बन्धित 2012–13 हेतु वार्षिक आय–व्यय की प्रति संलग्नहै (संलग्नक अ) –

5–वित्तीय समीक्षा–

– योजनावारप्राविधानतथा व्यय (संलग्नक अ)

UNITS	2011-2012		2012-2013								2013-2014	
	TAXAUDITED		BUDGET		Actual (uptonov-12)		Estimationfor (Dec-12tomar-13)		TOTAL		BUDGET	
			T/O	P/L	T/O	P/L	T/O	P/L	T/O	P/L	T/O	P/L
TOURISMSECTION												
YATRAOFFICE	1380.94	-36.81	1202.20	-48.37	29.21	-48.73	89.61	-404.99	118.82	-453.72	1196.00	-34.90
TORUISTRESTHOUSES	1372.50	143.93	1584.18	115.79	1122.70	276.02	314.24	-64.43	1436.94	211.59	1721.40	319.93
CANTEENS&BARS	623.50	10.59	763.96	41.49	487.09	55.44	229.04	-10.49	716.13	44.95	838.21	80.17
MOUNTAINEERINGDIVISION	53.86	24.63	64.44	35.27	11.16	-1.40	5.58	-0.72	16.74	-2.12	20.09	-2.22
AULI	19.88	12.73	23.62	10.60	0.00	-0.11	19.68	12.72	19.68	12.61	23.62	15.89
L.T.C.	3.55	3.51	3.90	3.67	4.07	4.07	1.10	1.07	5.17	5.14	5.69	5.64
WATERSPORTS	21.66	10.38	28.44	20.59	16.70	11.53	8.35	5.75	25.05	17.28	30.06	21.51
PUBLICITY	0.16	-26.97	0.06	-32.18	0.01	-22.06	0.00	-4.65	0.01	-26.71	0.10	-18.47
HEADOFFICE(TOURISM)	20.54	-193.19	30.91	-227.27	13.36	-101.78	0.50	-57.07	13.86	-158.85	15.25	-174.74
TOTALTOURISMSECTION	3496.59	-51.20	3701.71	-80.40	1684.30	172.98	668.10	-522.81	2352.40	-349.83	3850.42	212.81
ENGINEERINGSECTION	87.25	-28.00	142.00	16.45	55.03	-21.96	83.30	42.11	138.33	20.15	172.00	37.70
MARKETINGSECTION												
GASAGENCIES	8456.39	256.51	9210.73	232.59	5811.84	190.30	2896.27	161.43	8708.11	351.73	9275.57	446.30
PETROLPUMPS	1662.99	13.50	1800.86	12.12	1298.42	9.90	649.22	4.12	1947.64	14.02	2140.47	14.31
H.O.MARKETING&F.&V.MKG	88.48	2.40	93.00	-8.11	72.08	4.99	36.04	1.48	108.12	6.47	118.93	-2.08
TOTALMARKETINGSECTION	10207.85	272.41	11104.59	236.59	7182.34	205.19	3581.53	167.03	10763.87	372.22	11534.97	458.53
INDUSTRIESSECTION												
ROSIN&TURPENTINEFACTORY	0.06	-5.72	0.00	-4.00	0.00	-2.24	0.00	-0.76	0.00	-3.00	0.00	-2.35
CEMENTCONCRETEBLOCKUNIT	37.66	-9.38	48.00	4.11	22.12	-5.84	17.30	2.45	39.42	-3.39	47.50	-7.51
PARWATWOODWOOLFACTORY	773.66	136.09	867.93	67.71	640.00	68.02	306.00	14.27	946.00	82.29	1005.00	75.00
MINERALWATERUNIT	0.32	-4.15			0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
FLUSHDOORFACTORY	0.00	0.00			0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
FRUITPROCESSINGUNIT	24.06	-2.38	33.00	-3.26	31.79	-0.40	2.50	-5.50	34.29	-5.90	25.00	-4.00

TOTALINDUSTRIESSECTION	**835.76**	**114.46**	**948.93**	**64.56**	**693.91**	**59.54**	**325.80**	**10.46**	**1019.71**	**70.00**	**1077.50**	**61.14**
HEADOFFICE	**77.37**	**-405.43**	**91.86**	**-518.04**	**30.41**	**-224.15**	**82.42**	**-132.16**	**112.83**	**-356.31**	**118.51**	**-390.91**
ROPEWAYSECTION												
ROPEWAY&CHAIRLIFTSKILIFT	**66.93**	**-36.70**	**234.80**	**63.67**	**45.07**	**-39.81**	**47.42**	**-8.43**	**92.49**	**-48.24**	**248.65**	**61.41**
TOTALROPEWAYSECTION	**66.93**	**-36.70**	**234.80**	**63.67**	**45.07**	**-39.81**	**47.42**	**-8.43**	**92.49**	**-48.24**	**248.65**	**61.41**
FL-2SECTION	**19.99**	**11.28**	**MergedwithH.O.**		**8.22**	**2.21**	**2.50**	**0.71**	**10.72**	**2.92**	**MergedwithH.O.**	
MINING	**949.14**	**283.16**	**1164.55**	**334.47**	**583.91**	**110.32**	**322.16**	**122.29**	**906.07**	**232.61**	**3000.00**	**927.88**
GRANDTOTAL	**15740.87**	**159.96**	**17388.44**	**117.30**	**10283.19**	**264.32**	**5113.23**	**-320.80**	**15396.42**	**-56.48**	**20002.05**	**1368.56**